श्री उपसभापति: आप बैठिए। प्लीज़, बैठ जाइए।

श्री ब्रजेश पाठक: *

श्री उपसभापति: देखिए, आप बैठ जाइए। यह रिकार्ड में नहीं जा रहा है। I cannot allow you.

Sale of adulterated milk and other products in the country

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Mr. Deputy Chairman, Sir, unfortunately, the BJP leader, Shri Venkaiah Naidu, who is also a very senior Member, has raised an issue and then walked out as usual. The Leftists have also joined them. *...(Interruptions)...* It only shows the colour...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You come to your subject. *...(Interruptions)...*

SHRI SANTOSH BAGRODIA: I am coming to my subject. Sir, I would like to support Naiduji on price rise. We are as much concerned about the price rise of essential commodities as anybody else in the country. But this is not the way to handle a situation. Sir, along with the price rise, कुछ दिनों से हम जो देख रहे हैं TVs में कि दूध में मिलावट हो रही है, यूरिया डाला जा रहा है, मावा में यूरिया डाला जा रहा है, घी में animal fat डाला जा रहा है, आटे में भी मिलावट हो रही है, toilet paper भी काम आ रहा है मिलावट में। ऐसी परिस्थिति में हमें तो यह चिंता हो रही है कि एक तरफ दाम बढ़ रहे हैं चीजों के और दूसरी तरफ मिलावट हो रही है, हम कहां जा रहे हैं। इस मिलावट के बारे में हमें बहुत सीरियसली विचार करना पड़ेगा। यह मिलावट आज से नहीं हो रही है, बरसों से हो रही है। आज आप मदर डेयरी का दूध पीजिए, दूसरे स्टेट्स में डेयरीज़ लगी हुई हैं, वह दूध सारा गांव से इकट्ठा होकर आता है, क्या उस दूध की चैकिंग होती है, क्या बनने के बाद भी कोई चैकिंग होती है? इस बात को देखना पड़ेगा। हर स्टेज पर अगर हमने मिलावट चैक नहीं की तो मैं समझता हूं कि जो लोग मिलावट करते हैं, ये लालची लोग हैं, ये देशभक्त नहीं हैं, ये देशद्रोही हैं।

उपसभापति जी, मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐसे लोग टैररिस्ट्स से भी ज्यादा खतरनाक हैं। टैररिस्ट्स तो दो-चार, दस आदमियों को मारते हैं, लेकिन ये तो ऐसे लोग हैं, जो हजारों-लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। यह पूरे हिंदुस्तान के स्वास्थ्य का सवाल है। ऐसी परिस्थिति में हमें यह देखना होगा कि इन पर कड़ी से कड़ी पाबंदी कैसे लगाई जाए। हमारे देश में अगर इस तरह का काम होता रहेगा, तो मुझे लगता है कि एक दिन हम सबको पानी पीकर काम चलाना पड़ेगा और वह भी शायद बोतल का पानी। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि इसके बारे में जल्दी से जल्दी action लिया जाए और जो लोग इसमें guilty पाए जाएं, उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए और यदि आवश्यकता पड़े तो हमें नए laws बनाने चाहिए। Adulteration of food articles, adulteration of medicines should be considered the most heinous crime and they should be hanged.

MS. MABEL REBELLO (Jharkhand): Sir, I associate myself with the hon. Member, Shri Santosh Bagrodia.

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश) : उपसभापति जी, यह सिर्फ दूध में मिलावट का मामला नहीं है, अभी आप दाल की बात कीजिए, सब्ज़ी की बात कीजिए, हर चीज में मिलावट की बात पिछले दिनों मीडिया के माध्यम से सामने आई है और यह हकीकत में भी सामने आ रही है। हर चीज में मिलावट हो रही है, चाहे घी हो, चाहे तेल हो। अभी पिछले दिनों आगरा में चरबी कांड का मामला सामने आया था। हम संसद में बैठते हैं, यहां के सेंट्रल हॉल और अन्य जगहों में बैठते हैं, सवाल यह है कि क्या यहां हम जो चाय पीते हैं या दूध पीते हैं, उसमें भी कुछ मिलावट है? क्या अस्पताल में मरीजों को जो दूध दिया जाता है, वह अस्पताल में मरीज बनने और बीमार होने

*Not recorded.

के लिए दिया जाता है? गर्भवती महिलाएं, आज अस्पताल में कौन सा दूध पी रही हैं? यह इतना गंभीर मामला है, यह हर व्यक्ति से जुड़ा मामला है। यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है, यह एक सामाजिक मामला है। पिछले दिनों जिस तरह से दिखाया गया, आपका फूड कंट्रोलर क्या कर रहा है? उनकी रिपोर्ट आई है कि मदर डेयरी के दूध में 29 प्रतिशत मिलावट पाई गई है। आखिर यह क्या तमाशा है? बच्चों की अंतड़ियों में घाव हो रहे हैं, लोगों को लीवर, किडनी और हॉर्ट की बीमारियां हो रही हैं, मुझे लगता है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और इसके लिए एक निगरानी समिति बनानी चाहिए। क्या अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में जो लोग आ रहे हैं, उनको पनपाने की यह साज़िश तो नहीं है? मुझे लगता है कि यह आम लोगों की ज़िंदगी से जुड़ा मामला है, जब आम लोगों की ज़िंदगी इस तरह खतरे में होगी, तो यह संसद की जिम्मेदारी है कि इसके लिए कोई कानून बनाए या अन्य कोई प्रावधान बनाए। अतः इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए। अभी आगरा में एक घटना हुई है, वहां पर लोगों ने घी के दीए जलाने बंद कर दिए हैं और वहां कहा जाता है कि इस घी में तो चरबी है। इतना ही नहीं वहां मिठाइयों की दुकानों पर बोर्ड लग रहे हैं कि हम चरबीयुक्त मिठाइयां नहीं बेच रहे हैं, इतनी शंकास्पद बातें हो रही हैं। इसलिए यह बहुत गंभीर मामला है। इस पर कार्यवाही होनी चाहिए। केन्द्र सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए, साथ ही दिल्ली सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए, मेरा इतना ही कहना है।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): उपसभापति जी, मैं अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करती हूं।

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): उपसभापति जी, मैं अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

Demand to place on the table the Liberhan Commission Report

SHRI MOINUL HASSAN (West Bengal): Sir, everybody knows that on 30th June, a long pending Liberhan Commission Report has been handed over to the Prime Minister. It was a Commission for three months but 17 years have lapsed and the extension of the life of this Commission has taken place 48 times. Sir, with a heavy heart I again remember 6th December, 1992. It was a shameful incident not only to a community or an individual but also to the entire nation. It is nothing but a black day for the entire nation. Babri Mosque of 16th Century was demolished by hooligans. After that, within ten days, the Commission was formed by the then Prime Minister to find out the occurrence relating to Babri Masjid and Ram Janmabhoomi. What were the terms of reference? Sir, after 17 years I would like to remember again, very shortly, the role played by the Chief Minister of Uttar Pradesh, role of the Council of Ministers, role of the officials of Uttar Pradesh Government, role of individuals, role of different organisations and if there was any deficiency in the security. After 17 years, at least, the Report has been submitted to the hon. Prime Minister. So, I demand that the culprits should be punished and victims should be compensated.

Secondly, we hope that the Report is not eyewash and it is not dumped like many other reports. I would like to request again the Government to come out with the ATR and Table the same before Parliament in this Session itself. Thank you.

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, I associate myself with the subject raised by my friend, Mr. Hassan. Thank you.

SHRI AZIZ PASHA (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Moinul Hassan. Thank you.